मकर संक्रांति की शुभकामनाएं

दैनिक भास्कर

सच्ची बात, बेधड़क

झुंझुनूं, राजस्थान, बुधवार, 14 जनवरी, 2026

माघ, कृष्ण पक्ष-11, 2082 | कुल पेज 26, मूल्य ₹ 5.00 (मधुरिमा) वर्ष 9, अंक 108, महानगर

सीरी में व्याख्यान का आयोजन, हिंदी के प्रभाव, प्रभुत्व और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की

भास्कर न्यूज | पिलानी

सीएसआईआर-सीरी में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में इंद्रमणि मंडेलिया शिक्षा निकेतन पिलानी के प्रोफेसर नितेन्द्र पाठक ने वैश्विक और भारतीय परिदृश्य में हिंदी के प्रभाव, प्रभुत्व और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। पाठक ने कहा कि व्यक्ति को अपने विकास के लिए अधिक से अधिक भाषाएं सीखनी चाहिए परंतु अपनी भाषा के प्रति गर्व का भाव होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा को विद्यार्थियों के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए इंजीनियरिंग एवं मेडिकल शिक्षा भी हिंदी में आरंभ की जा चुकी है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुचंदन पाल ने की। उन्होंने विश्व हिंदी दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए आयोजन के महत्व को रेखांकित किया।

पुस्तक का विमोचन करते अतिथि।

संस्थान की वार्षिक विज्ञान पत्रिका 'इलेक्ट्रॉनिक दर्पण' का विमोचन भी किया गया। प्रोफेसर पाठक ने पत्रिका के नवीनतम अंक में प्रकाशित शोधपत्रों एवं वैज्ञानिक लेखों के लेखकों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. अयन कुमार बंद्योपाध्याय, मुख्य वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन संस्थान के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी रमेश बौरा ने किया।